आकर्षण के क्षेत्र हैं। मेरा अनुरोध है कि देहरादून व पंतनगर से श्री अयोध्या धाम व अन्य धार्मिक महत्व के शहरों, जैसे भुवनेश्वर, सोमनाथ, काशी, उज्जैन, बनारस आदि तक नई फ्लाइट्स का चलाया जाना बेहद आवश्यक है।

Plight of Rubber farmers in Kerala

DR. JOHN BRITTAS (Kerala): Sir, Kerala's rubber plantations, once thriving as arteries of prosperity, are now bleeding with the lifeblood of its farmers. For over a decade, these cultivators have been facing a cruel twist of fate as the prices plummeted. The State Government is trying its best to provide relief but the constraints of resource are preventing the State from helping out the rubber farmers.

It is to be noted that the main reason for the sad plight of the rubber farmers is the import of natural rubber. The nominal hike in duty on crump rubber was not made applicable to the ASEAN countries thereby making no difference in the lives and livelihood of the farmers. Kerala was encouraged to concentrate on cash crops and that was the cardinal reason for people resorting to rubber cultivation.

Letters have been sent by the State requesting to increase Customs Duty on compound rubber and Import Duty on all forms of dry natural rubber to at least 70 per cent as well as to fix minimum import price for natural rubber. Kerala has also requested for Minimum Support Price for natural rubber based on the formula devised by Dr. M.S. Swaminathan Committee.

The Union Government should give due attention to the plight of around 12 lakh small-scale rubber cultivators. Hence, I urge upon the Government to take adequate measures to alleviate the plight of these hapless farmers. Thank you.

MR. CHAIRMAN: The following Hon. Members associated themselves with the Special Mention raised by Dr. John Brittas: Dr. V. Sivadasan (Kerala) and Shri A. A. Rahim (Kerala).

Demand to establish another unit of National Sugar Institute in Meerut

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश): महोदय, गन्ना भारत की अर्थव्यवस्था तथा गन्ना उत्पादक किसानों को बहुत अधिक प्रभावित करता है। अभी देश में गन्ने के सम्बन्ध में शोध, प्रशिक्षण एवं सलाह देने के लिए केवल कानपुर में नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट है, जो वर्ष 1936 में स्थापित किया गया था। यह नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अन्तर्गत कार्य करता है।

गन्ने से केवल चीनी ही नहीं बनती, बल्कि अब यह शराब तथा एथेनॉल उत्पादन का भी एक बहुत बड़ा स्रोत है। एथेनॉल भारत की विदेशी मुद्रा स्थिति तथा क्रूड ऑयल के आयात से भी जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश में कार्यरत कुल 122 चीनी मिलों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीन मंडलों में 54 शुगर मिलें कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार आने के बाद देश में मौजूदा चीनी मिलों की क्षमता का विस्तार हुआ है। इसके साथ ही, चीनी मिलों में विद्युत उत्पादन शुरू हुआ है, एथेनॉल उत्पादन से देश में लगभग 45,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है तथा वर्ष 2025 से जब ईंधन में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जाएगा, तो यह बचत 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी। इन सब चीजों को देखते हुए गन्ना तथा चीनी उद्योग का महत्व बहुत अधिक बढ़ गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करता हूँ कि मेरठ में नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट की दूसरी इकाई स्थापित की जाए, तो इससे गन्ना और चीनी उद्योग में शोध, प्रशिक्षण तथा कंसल्टेंसी में तीव्र गति आएगी तथा यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए तथा किसानों के लिए बहुत अधिक लाभदायक होगा।

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet at 11.00 a.m. on Saturday, the 10th February, 2024.

The House then adjourned at forty one minutes past six of the clock till eleven of the clock on Saturday, the 10th February, 2024.